

5

पृथ्वी के वायुमंडल में प्रदेश लगभग 32,187 किमी/घंटा की रफ्तार से; शायमान करीब 2,200 डिग्री, आखिर में कैपसूल के पैराशूट खुलेंगे, प्रयास महासागर में स्पेसशटलजन



राजस्थान पत्रिका

पृथ्वी का करीब 27 बार चक्कर लगाने के बराबर होगा पूरा सफर

11 लाख किमी पूरे मिशन की दूरी

6,000-10,000 किमी चंद्रमा के ऊपर से गुजरने की ऊंचाई होगी

चंद्रमा के पास से गुजरने (प्लॉईबाई) के बाद ओरियन पृथ्वी की ओर घार विन की वापसी शुरू करेगा

ओरियन, आइसोपीरस से अलग, पास-पास उड़ान की मैन्युअल थ्रिल शुरू



सीरी ने बनाया स्मार्ट उपकरण : शरीर के जरूरी पैरामीटर की रियल टाइम जानकारी मिलेगी, गांवों में भी बेहतर इलाज की उम्मीद

हर मिनट मरीज की सेहत पर नजर, 'मेडिसिंक' देगा डॉक्टर को जानकारी

20 हजार में अस्पताल, 3-4 हजार में घर के लिए उपकरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

झुंझुनूं, मरीज की सेहत पर अब हर मिनट नजर रखना संभव हो सकेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी के वैज्ञानिकों ने ऐसा स्मार्ट उपकरण तैयार किया है, जो दिनभर मरीज के शरीर के बदलाव रिकॉर्ड कर सीधे डॉक्टर तक पहुंचाएगा। 'मेडिसिंक' नाम का यह उपकरण मरीज के शरीर के जरूरी पैरामीटर जैसे ईसीजी, ऑक्सीजन स्तर, नाड़ी, ब्लड प्रेशर



पिलानी, सीरी के वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया मेडिसिंक उपकरण

और तापमान को लगातार मापता है। यह जानकारी इंटरनेट के जरिए डॉक्टर के मोबाइल या कंप्यूटर पर पहुंचती रहती है, जिससे डॉक्टर कहीं से भी मरीज की स्थिति पर नजर रख सकते हैं। अभी तक अस्पतालों या



पिलानी सीरी में आयोजित कार्यक्रम में तकनीक का हस्तांतरण करते अधिकारी

घरों में मरीज के तापमान और अन्य पैरामीटर दिन में केवल दो-तीन बार ही दर्ज किए जाते हैं, जबकि दिनभर में कई बार उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में कई बार जरूरी बदलाव नजर नहीं आ पाते। मेडिसिंक इस

इसके परिणाम सकारात्मक रहे हैं। सीरी के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस उपकरण के दो मॉडल तैयार किए गए हैं। अस्पतालों के लिए इसकी कीमत करीब 20 से 22 हजार रुपए रखी गई है, जबकि आम लोगों के घर पर उपयोग के लिए यह 3 से 4 हजार रुपए में उपलब्ध हो सकेगा। इससे यह तकनीक आमजन की पहुंच में भी आ सकेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक खासतौर पर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जहां डॉक्टरों की कमी रहती है। इससे मरीज की लगातार निगरानी संभव होगी और समय पर उपचार मिल सकेगा।

तकनीक का किया गया हस्तांतरण

संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में इस तकनीक को औद्योगिक उत्पादन के लिए मेसर्स वर्टैक्स मेडिटेक कंपनी को सौंप दिया गया है। इससे उम्मीद है कि जल्द ही यह उपकरण आम लोगों तक पहुंच सकेगा। सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया ने कहा कि इस तरह की तकनीक से देश में डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूती मिलेगी। वहीं वैज्ञानिक डॉ. सत्यम श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य सस्ती और भरोसेमंद मरीज मॉनिटरिंग सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे डॉक्टर समय पर सही निर्णय ले सकें। उन्होंने बताया कि तकनीक का विकास करने में सूरज मुखिया एवं आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में वर्टैक्स मेडिटेक से संदीप मुद्गल एवं विवेक यादव तथा सीएसआईआर-सीरी से डॉ. नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि यह तकनीक विशेष रूप से दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सहायक रहेगी।